

केन्द्र सरकार, सेबी और अडानी समूह की मिलीभगत के कारण लाखों परिवारों की मेहनत की कमाई का भविष्य अंधकार में : नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली

बढ़ता राजस्थान

अलवर/जयपुर (का.स.)। कांग्रेस पार्टी द्वारा अडानी महाघोषाले की जेपीसी मांग को लेकर किए गए विरोध प्रदर्शन पर राजस्थान विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा कि आज केन्द्र सरकार, सेबी और अडानी समूह की मिलीभगत के कारण लाखों परिवारों द्वारा मेहनत की कमाई से शेष बाजार में किए गए निवेश का भविष्य अंधकार में आ गया है। सेबी प्रमुख माधवी पुरी बुच की जिम्मेदारी है कि शेष बाकें पर नजर रखें एवं इसपर सेबी भी खासी घटना की निवारण जांच करें जिससे निवेशकों की मेहनत की कमाई संकट में न आए। हिंडनबर्ग समूह द्वारा पहले जारी की गई रिपोर्ट में अडानी समूह द्वारा की जा रही अनियमितान्वय सामने आई जिनकी जांच स्थङ्गकों को करनी थी। ऐसे में

और वेहद आवश्यक था कि सेबी के प्रतिपक्षकारियों का अडानी समूह से कोई संबंध न हो परन्तु सेबी को प्रमुख का ही अडानी समूह की रिसात सामने आया है। इस कारण ना तो अनियमितान्वय की जांच हो सकी है और ना ही सच जनता के सामने आया है। जबकि निवेशकों के लाखों करोड़ों रुपये का भविष्य संकट में आ गया है। इन मिलीभगत के कारण लाखों परिवारों द्वारा मेहनत की कमाई से शेष बाजार में किए गए निवेश का भविष्य अंधकार में आ गया है।

जूली ने कहा कि आज विपक्ष के पास राहुल गांधी जैसे मजबूत नेता प्रतिपक्ष हैं जिसके कारण पहले अपनी जिद पर अडिंग रखने वाले हठधन्य देश के पीएम को अपने फैसले पलटने को मजबूत होना पड़ रहा है। चाहे यूपीएसी में लेटरप्रेस एंट्री का फैसला हो या वक्फ बोर्ड बिल को संसदीय समिति को भेजना, यह दिखाता है कि आज देश की मजबूत आजाव उन चुके राहुल गांधी एवं झंडिया गढ़वाल की सत्य और न्याय की लड़ाई के आगे केन्द्र की भाजपा सरकार का अंहकर नितर हार रहा है। आज नहीं तो कल इस मोदीनी महाघोषाले की सच्चाई सभा में अडानी समूह पर लोकसभा चुनावों में कालाधन रखने का आरोप लगा दिया था परन्तु इन आरोपों की ना तो ईडी



व्यापार मंडल और खांडसारी संघ के नवीन अध्यक्ष बने संजय गोयल

व्यापार मंडल की बैठक में सर्वसम्मति से हुआ

चुनाव, अन्य कार्यकारिणी का भी गठन,

बढ़ता राजस्थान



कोतवाली थाना पुलिस कार्यवाही, दो वर्ष से फैटार जानलेवा हमले का आरोपी पकड़ा

बढ़ता राजस्थान

बाड़ी/धौलपुर (निस.)। उपर्युक्त को कोतवाली थाना पुलिस ने धूखिकरी की सूचना पर कार्यवाही करते हुए गैर इरादतन हत्या के प्रयास के एक आरोपी को दो वर्ष बाद गिरफ्तार किया है। आरोपी ने एक दर्जन से अधिक लोगों के साथ मिलकर पत्थर की फड़ पर काम करने वाले एक मजबूर पर हमला किया था। जिसमें मजबूर गंभीर रूप से घायल हुआ था। घटना को लेकर पीड़ित द्वारा कोतवाली थाने में अपराधबोध से ग्रसित होकर चुनावी सभा में अडानी समूह पर लोकसभा चुनावों में कालाधन रखने का आरोप लगा दिया था परन्तु इन आरोपों की ना तो ईडी

कोतवाली थाने के उप निरीक्षक जगदीश सागर ने बताया की 26 अप्रैल 2022 को शहर के बसेडी रोड परिष्ठि के केशव बंसल के पथर की फड़ पर काम करने वाले एक मजबूर पर जानलेवा हालांकार हुआ था। उक्त घटना में आरोपी चांदू पुरु महावर गुर्जर निवासी छाँटें को पुरा के साथ एक दर्जन के करीब लाग शामिल थे। जिसमें लाली, डंडा और पथरों से सड़क पर फड़ के पास खड़े मजबूर पर हमला हुआ था। घटना में घायल मजबूर चिरेंद्र पुरु फढ़दीराम लोधी निवासी अलीगढ़ थाना कंचनपुर ने कोतवाली थाने में एफआईआर संख्या 164/22 में मामला दर्ज कराया था। जिसमें आरोपी चांदू गुर्जर और अन्य की पुलिस दो वर्ष से तलाश कर रही थी।

जारी धूखिकर 21 अगस्त बुधवार को गत सूचना मिली कि आरोपी चांदू गुर्जर बाड़ी बस स्टैंड के पास देखा गया है जो रात्रि बस से कहीं जाने की फिराक में है। इस पर एम्बुलेंस जागरूक पर पहुंच आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी से थाने पर दर्ज मामले में धारा 323,341,325 और 308 में प्रछताछ की जा रही है।

जारी धूखिकर के अन्य पराधिकारियों का भी गठन करते हुए नवीन कार्यकारिणी का चुनाव करने और अध्यक्ष बनाए जाने के लिए प्रस्ताव रखा गया। जिसके बाद इसकी पुष्टि की गई। समस्त पदाधिकारी की उपस्थिति में निवेशकों वाली थाना पराधिकारी का गठन हुआ। जिसमें एक बार पिल सूची अध्यक्ष रहे संघर्ष कुमार गोयल को व्यापार मंडल की नवीन कार्यकारिणी का गठन करते हुए नवीन कार्यकारिणी को भी गठन करते हुए नवीन कार्यकारिणी का चुनाव करने और अध्यक्ष बनाए जाने के लिए प्रस्ताव रखा गया। जिसमें कमेटी के विरिष्ट सदस्य रामगोपाल मंगल को चुनाव अधिकारी बनाया गया। जिनकी अध्यक्षता में सर्वसम्मति से व्यापार मंडल की नवीन कार्यकारिणी का गठन हुआ। जिसमें एक बार पिल सूची अध्यक्ष रहे संघर्ष कुमार गोयल को व्यापार मंडल की नवीन कार्यकारिणी का गठन करते हुए नवीन कार्यकारिणी का चुनाव करने और अध्यक्ष बनाए जाने के लिए उनका प्रयास रहा।

इस दौरान वार्ता के अधिकारियों के अन्य पराधिकारियों को भी गठन करते हुए नवीन कार्यकारिणी का चुनाव करने और अध्यक्ष बनाए जाने के लिए प्रस्ताव रखा गया। जिसमें कमेटी के विरिष्ट सदस्य रामगोपाल मंगल को चुनाव अधिकारी बनाया गया। जिनकी अध्यक्षता में सर्वसम्मति से व्यापार मंडल की नवीन कार्यकारिणी का गठन हुआ। जिसमें एक बार बिल सूची अध्यक्ष रहे संघर्ष कुमार गोयल को व्यापार मंडल की नवीन कार्यकारिणी का गठन करते हुए नवीन कार्यकारिणी का चुनाव करने और अध्यक्ष बनाए जाने के लिए प्रस्ताव रखा गया।

व्यापार मंडल के नवीन अध्यक्ष संघर्ष के बाद विरिष्ट सदस्यों ने उन्हें फिर से जो जिम्मेदारी रखी है। उनसे वार्ता के अधिकारियों के साथ नहीं और धन में निभायी साथ व्यापार मंडल का विस्तार हो और अंधकार रहे संघर्ष को अप्राप्य करना चाहिए।

व्यापार मंडल के नवीन अध्यक्ष संघर्ष के बाद विरिष्ट सदस्यों ने उन्हें फिर से जो जिम्मेदारी रखी है। उनसे वार्ता के अधिकारियों के साथ नहीं और धन में निभायी साथ व्यापार मंडल का विस्तार हो और अंधकार रहे संघर्ष को अप्राप्य करना चाहिए।

व्यापार मंडल के नवीन अध्यक्ष संघर्ष के बाद विरिष्ट सदस्यों ने उन्हें फिर से जो जिम्मेदारी रखी है। उनसे वार्ता के अधिकारियों के साथ नहीं और धन में निभायी साथ व्यापार मंडल का विस्तार हो और अंधकार रहे संघर्ष को अप्राप्य करना चाहिए।

व्यापार मंडल के नवीन अध्यक्ष संघर्ष के बाद विरिष्ट सदस्यों ने उन्हें फिर से जो जिम्मेदारी रखी है। उनसे वार्ता के अधिकारियों के साथ नहीं और धन में निभायी साथ व्यापार मंडल का विस्तार हो और अंधकार रहे संघर्ष को अप्राप्य करना चाहिए।

व्यापार मंडल के नवीन अध्यक्ष संघर्ष के बाद विरिष्ट सदस्यों ने उन्हें फिर से जो जिम्मेदारी रखी है। उनसे वार्ता के अधिकारियों के साथ नहीं और धन में निभायी साथ व्यापार मंडल का विस्तार हो और अंधकार रहे संघर्ष को अप्राप्य करना चाहिए।

व्यापार मंडल के नवीन अध्यक्ष संघर्ष के बाद विरिष्ट सदस्यों ने उन्हें फिर से जो जिम्मेदारी रखी है। उनसे वार्ता के अधिकारियों के साथ नहीं और धन में निभायी साथ व्यापार मंडल का विस्तार हो और अंधकार रहे संघर्ष को अप्राप्य करना चाहिए।

व्यापार मंडल के नवीन अध्यक्ष संघर्ष के बाद विरिष्ट सदस्यों ने उन्हें फिर से जो जिम्मेदारी रखी है। उनसे वार्ता के अधिकारियों के साथ नहीं और धन में निभायी साथ व्यापार मंडल का विस्तार हो और अंधकार रहे संघर्ष को अप्राप्य करना चाहिए।

व्यापार मंडल के नवीन अध्यक्ष संघर्ष के बाद विरिष्ट सदस्यों ने उन्हें फिर से जो जिम्मेदारी रखी है। उनसे वार्ता के अधिकारियों के साथ नहीं और धन में निभायी साथ व्यापार मंडल का विस्तार हो और अंधकार रहे संघर्ष को अप्राप्य करना चाहिए।

व्यापार मंडल के नवीन अध्यक्ष संघर्ष के बाद विरिष्ट सदस्यों ने उन्हें फिर से जो जिम्मेदारी रखी है। उनसे वार्ता के अधिकारियों के साथ नहीं और धन में निभायी साथ व्यापार मंडल का विस्तार हो और अंधकार रहे संघर्ष को अप्राप्य करना चाहिए।

व्यापार मंडल के नवीन अध्यक्ष संघर्ष के बाद विरिष्ट सदस्यों ने उन्हें फिर से जो जिम्मेदारी रखी है। उनसे वार्ता के अधिकारियों के साथ नहीं और धन में निभायी साथ व्यापार मंडल का विस्तार हो और अंधकार रहे संघर्ष को अप्राप्य करना चाहिए।

व्यापार मंडल के नवीन अध्यक्ष संघर्ष के बाद विरिष्ट सदस्यों ने उन्हें फिर से जो जिम्मेदारी रखी है। उनसे वार्ता के अधिकारियों के साथ नहीं और धन में निभायी साथ व्यापार मंडल का विस्तार हो और अंधकार रहे संघर्ष को अप्र

